पत्र संख्या–15/वि0 स0 से0 –18–04/2010 सा0 प्र0 2257/.

बिहार सरकार
सामान्य प्रशासन विभाग

प्रेषक,

अजय कुमार चौधरी
सरकार के संयुक्त सचिव

सेवा में,

सभी प्रधान सचिव,
बिहार, पटना।

सभी विभागीय सचिव
बिहार, पटना।

सभी विभागाध्यक्ष
बिहार, पटना।

पटना–15, दिनांक 13-7-11

विषयः– गृह (वि0) विभाग के पत्रांक 9606 दिनांक 13.05.2011 एवं 3175 दिनांक 25.04.2011 के आलोक में झारखंड राज्य से बिहार राज्य में क्रमशः एकल आधार तथा पारस्परिक आधार पर स्थानांतरित बिहार सचिवालय सेवा के सहायकों की आपसी वरीयता पुर्निधारण के सम्बंध में।

महोदय,

निदेशनुसार उपर्युक्त विषय के सम्बंध में कहना है कि एकल तथा पारस्परिक आधार पर बिहार राज्य में सेवा स्थानांतरित सहायकों की वरीयता में गृह (वि0) विभाग द्वारा विषयांकित पत्रों में निहित शर्त्तो के आधीन संशोधन का प्रस्ताव निम्नवत हैः–

(क) एकल आधार पर

क्र0 स0	नाम	नियुक्ति श्रोत मेधा क्रमांक	वर्तमान वरीयता क्रमांक	पूर्व संशोधित क्रमांक	प्रस्तावित संशोधित वरीयता क्रमांक
1	2	3	4	5	6
1	श्री महेश्वर प्रसाद	578/82	2456		2464(ग)
2	श्री जय शंकर प्रसाद	415/82	2408	2527 (ख)	2464(ख)
3	श्री शिवचरण दास	387/83	2743		2748(ख)
4	श्री रंजन कुमार	19/88	2796		3072(क)
5	श्री उमेश कुमार सिंह	122/85	3171		3319(ग)
6	श्री कुमुद किशोर सहाय	130/85	3177	3269 (ग)	3319(ध)

(ख) पारस्परिक आधार पर

क्र0 स0	नाम	नियुक्ति श्रोत मेघा क्रमांक	वर्तमान वरीयता क्रमांक	पूर्व संशोधित क्रमांक	संशोधित वरीयता क्रमांक
1	2	3	4	5	6
7	श्री गिरीश मोहन ठाकुर	256/82	2178	2256क	2256क
8	श्री विनीत कुमार सिंह	271/82	2328	2558क	2264क
9	श्री कृष्णानंद	188/83	2551	2558ग	2557क
10	श्री अरूण कुमार श्रीवास्तव	294/83	2677	2760क	2748क
11	श्री सतीश कुमार	278/86	3015	3075क	3072ख
12	श्री अमिय रंजन पुष्प	03/85	3079	3269क	3319क
13	श्री विनय कुमार विद्यार्थी	61/85	3124	3269ख	3319ख

वरीयता सूची भाग–1 के उपर्युक्त सहायकों के बीच इसे इस उद्देश से प्रचारित किया जा रहा है कि उपर्युक्त सूची में अंकित सहायकों से वरीय सहायकों की वरीयता यदि इस संशोधन से प्रभावित हों तो वे अपनी आपत्ति देखते है साथ ही प्रस्तावित संशोधन के क्रम में इन सहायकों की आपसी वरीयता के निर्धारण में कोई त्रुटि हो तो अपना दावा समर्पित कर सकते हैं।

2. प्रस्तावित संशोधन गृह (वि0) विभाग के परिपत्र के आलोक में किया जा रहा है अतः गृह (वि0)विभाग के पत्र संख्या 9606 दिनांक 13.05.2011 एवं 3715 दिनांक 25.04.2011 को चुनौती देने संबंधी अभ्यावेदनों पर सामान्य प्रशासन विभाग के स्तर पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. अनुरोध है कि अपने विभाग/कार्यालय के सभी संबंधित सहायकों के बीच प्रचारीत करते हुए पत्र निर्गत होने के एक पक्ष के भीतर आपत्ति एवं दावा से संबंधित अभ्यावेदन समर्पित करने का निदेश देने की कृपा की जाय। वरीयता में प्रस्तावित संशोधन सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार के वेब साइट www.gad.bih.nic.in पर भी उपलब्ध है।

विश्वासभाजन

12.7.11

संयुक्त सचिव